

**भटकाना** स.क्रि. (देश.) भटकने में लगाना, बहकावे या संदेह में डालना।

**भटकाव** पुं. (देश.) भटकने की स्थिति या भाव।

**भटकैया** पुं. (देश.) जो भटकता रहता है या भटकाता रहता है।

**भटतीतर** पुं. (देश.) एक प्रकार का लंबा पक्षी।

**भटनास** स्त्री. (देश.) 1. एक प्रकार की लता 2. भटनास लता का बीज और फल 3. भटवाँस।

**भट्ट** पुं. (तत्.) 1. चारण, भाट, पंडित 2. एक उपाधि जो ब्राह्मण नाम के बाद लगाते हैं।

**भट्टाचार्य** पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार की पदवी या उपनाम जो बंगाल के ब्राह्मण प्रयोग करते हैं, सम्मानित विद्वान् 2. दर्शनशास्त्र के ज्ञाता।

**भट्टारक** वि. (तत्.) 1. सम्मान का पात्र 2. संस्कृत के नाटक ग्रंथों में राजा के लिए प्रयुक्त शब्द 3. तपस्या में रत व्यक्ति 4. सूर्य 5. देवता 6. सिद्ध जैन मुनि के लिए आदरसूचक शब्द।

**भट्ठा** पुं. (तद्.) 1. मिट्टी की कच्ची ईंटों के पकाने का पजाँवा 2. विशाल भट्ठी।

**भठियारपन** पुं. (देश.) 1. भठियारों का व्यवसाय 2. नीचता 3. कलह-विवाद।

**भठियारा** पुं. (देश.) यात्रियों के आवास भोजन आदि की व्यवस्था करने वाला।

**भड़क** स्त्री. (देश.) 1. भड़कने का भाव या क्रिया 2. दिखावटीपन, तड़क-भड़क।

**भड़कदार** वि. (देश.) जिसमें तड़क-भड़क हो, भड़कीला।

**भड़काना** अ.क्रि. (देश.) 1. आग की लपट उठ जाना 2. मन का कोई भाव अकस्मात् उभर कर तेज हो जाना जैसे- क्रोध, भड़कना, गाय, बैल साँड का भड़क जाना 3. चकित होना, उत्तेजित होना 4. भयभीत हो जाना, आवेश में आना।

**भड़कीला** वि. (देश.) 1. अधिक चमक वाला, चमकदार 2. जल्दी चमकने वाला।

**भड़भड़िया** वि. (देश.) 1. ज्यादा बोलने वाला 2. बकवास करने वाला 3. मन की बात या गुप्त रहस्य प्रकट करने वाला 4. गर्वोक्ति करने वाला।

**भड़वा** पुं. (देश.) 1. वेश्यालय का दलाल 2. बाजा बजाने वाला।

**भड़ास** स्त्री. (देश.) 1. असंतोष भरा मानसिक क्रोध, दिल का गुबार 2. आग से निकली गर्मी।

**भड़ुआ** पुं. (देश.) 1. वेश्यालय में रहकर वाद्य वादन करने वाला 2. वेश्यालय का दलाल (वेश्या और ग्राहक का मध्यस्थ)।

**भड़ैत** वि. (तद्.) 1. भाड़े या किराये पर रहने वाला 2. भाड़े पर काम करने वाला।

**भणित** वि. (तत्.) कथित कथन, उक्त।

**भतार** पुं. (तद्.) 1. स्वामी, पालक 2. पति 3. भरण करने वाला।

**भतीजा** पुं. (तद्.) भाई का बेटा, भ्रातृज।

**भत्ता** पुं. (तद्.) 1. पारिश्रमिक या वेतन के अतिरिक्त दिया जाने वाला धन 2. कर्मचारियों को वेतन के अलावा विशेष उद्देश्य से दी जाने वाली अतिरिक्त धनराशि जैसे- समय-समय पर दिया जाने वाला महंगाई भत्ता, लघु परिवार भत्ता, चिकित्सा भत्ता आदि।

**भदंत** वि. (तत्.) 1. प्रतिष्ठित या सम्मानित व्यक्ति 2. जिस व्यक्ति ने संन्यास ले लिया हो पुं. बौद्ध धर्म में संन्यास लिए भिक्षु को भदंत कहते हैं।

**भदई** वि. (तद्.) 1. भाद्रव (भाद्र) मास से संबंधित या होने वाला 2. भाद्र मास में काटी जाने वाली धान की फसल, जिसे साठी भी कहते हैं टि. साठी धान की फसल साठ दिन में पककर तैयार हो जाती है।

**भदावर** पुं. (तद्.) ग्वालियर के पास का एक पुराना स्थान।